विषय–सैन्य विज्ञान
कक्षा–12

पाठ्यक्रम का उद्देश्य–

सभी सामाजिक विज्ञानों में सैन्य विज्ञान एक जटिल एवं महत्वपूर्ण विज्ञान है। इसका अर्थ केवल सशक्त सेना संगठन, प्रतिष्ठान, शास्त्र अथवा सैनिक से ही नहीं अपितु उसकी जड़ें राष्ट्र को राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैली है। इसका क्षेत्र व्यापक एवं सभी प्रकार के ज्ञान से सम्बन्धित है।

इसका एकांकी अध्ययन नहीं हो सकता। राष्ट्र की शक्ति, गरिमा और गौरव राष्ट्रीय मंच पर कैसे उभर सकती है तथा विश्व शान्ति और सह अस्तित्व स्थापित करने में भारत प्रमुख भूमिका निभा सकता है। यही इस विषय के पठन–पाठन का मुख्य उद्देश्य है। यह विषय सैन्य शिक्षा अथवा प्रशिक्षण से भिन्न है।

सैन्य विज्ञान विषय का केवल एक प्रश्न पत्र 70 अंको का होगा। 30 अंकों की एक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। लिखित में उत्तीर्णांक 70 में से 23 अंक होंगे तथा प्रयोगात्मक परीक्षा के लिये 30 अंक में से 10 अंक होंगे। कुल में उत्तीर्णांक 33 अंक होंगे। लिखित तथा प्रयोगात्मक परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

इकाई–1–राष्ट्रीय सुरक्षा : **10 अंक**

(अ) अर्थ, क्षेत्र एवं तत्व (प्राथमिक विज्ञान)।

(ब) सीमाओं से लगने वाले राष्ट्र तथा उनके साथ राजनैतिक तथा सैन्य सम्बन्ध।

(स) राष्ट्रीय सुरक्षा नीति निर्धारण प्रक्रिया का संक्षिप्त परिचय।

इकाई–2–द्वितीय रक्षात्मक पंक्ति : 10 अंक

(अ) आवश्यकता।

(ब) निम्न संगठनों का सामान्य ज्ञान

- (क) आर्मी रिजर्व।
- (ख) प्रादेशिक सेना (टी0ए0)।
- (ग) एन0सी0सी0।

इकाई–3–नागरिक सुरक्षा : 08 अंक

(अ) आवश्यकता।

(ब) संगठन।

(स) कार्य।

इकाई–4–सैन्य विज्ञानदृमनोविज्ञान : 07 अंक

(अ) नेतृत्व।

(ब) मनोबल।

(स) अनुशासन।

इकाई–5–मराठा युग की सैन्य व्यवस्था**–** 08 अंक

(शिवाजी के सन्दर्भ में)।

इकाई–6–सिक्ख सैन्य पद्धति– 08 अंक

(महाराणा रणजीत सिंह के सन्दर्भ में)।

इकाई–7–भारत में अंग्रेजी व्यवस्था– 09 अंक

(प्लासी की लड़ाई के सन्दर्भ में), प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857 (संग्राम के आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक कारणों तथा स्वतंत्रता संग्राम में निष्कर्षों के आधार पर पुनर्गठन)।

इकाई–8– युद्ध के सिद्धान्त। 10 अंक

(1) भारत–चीन युद्ध, 1962।
(2) भारत–पाक युद्ध, 1965।
(3) भारत–पाक युद्ध, 1971।
(4) कारगिल युद्ध, 1999।

प्रयोगात्मक

(1) मानचित्र पठन–

(1) मापक परिभाषा, साधारण मापक की संरचना।
(2) जालीय निर्देशांक (ग्रिड रिफरेन्स)दृचार तथा छः अंक का।

(2) प्रिज्मैटिक दिक्सूचक, सर्विस प्रोटेक्टर–

(1) प्रिज्मैटिक दिक्सूचक का परिचय, उपयोग।
(2) दिक्मान ज्ञात करना।
(3) राशि में चलने के लिये दिक्सूचक सेट करना तथा चलाना।
(4) सर्विस प्रोटेक्टर का परिचय तथा प्रयोग।
(5) प्रयोगात्मक कार्य की अभ्यास पुस्तिका।

3–प्रयोगात्मक परीक्षाओं में अंकों का विवरण निम्नलिखित होगा

(1) मानचित्र पठन।	20
(2) प्रिज्मैटिक दिक्सूचक।	05
(3) प्रायोगिक अभ्यास–पुस्तिका।	05

पुस्तकें–

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गयी है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

सैन्य विज्ञान

अधिकतम अंक–30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक अंक–10 अंक** **समय –04 घण्टे**

नोट :–एक टोली में परीक्षार्थियों की संख्या 20 से अधिक न हो। एक दिन में दो टोली से अधिक की परीक्षा न हो।

वाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन–15 अंक

निर्धारित अंक–

1–मानचित्र परिचय परिभाषा, प्रकार, हाशिये पर दी गयी सूचनाओं को वास्तविक मानचित्र पर पढ़ना तथा हाशिये की सूचनाओं के प्रकार	02
2–मानचित्र निर्देशांक चार अंकीय एवं छः अंकीय निर्देशांक।	02
3–मापक की परिभाषा, मापक के प्रकार।	02

4–सरल मापक की रचना।	02
5–दिक्सूचकदृनाम, विभिन्न पुर्जों के प्रकार तथा प्रयोग विधि।	02
6–मानचित्र दिशानुकूल करना।	02
7–मौखिक परीक्षा।	03
आन्तरिक परीक्षक द्वारा मूल्यांकन–	**15 अंक**
1–सांकेतिक चिन्ह–चार सांकेतिक चिन्हों को बनाना जिसमें एक सैनिक सांकेतिक चिन्ह अनिवार्य है।	02
2–उत्तर दिशाओं से सम्बन्धित प्रश्न।	02
3–मानचित्र पर ग्रिड दिक्मान नापना।	03
4–दिक्मानों के अर्न्तपरिवर्तन।	03
5–उत्तरान्तरों एवं विशिष्ट दिक्सूचक त्रुटि ज्ञात करना।	02
6–अभ्यास पुस्तिका।	03

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु जो विद्यालय प्रयोगात्मक परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जायेंगे, उन विद्यालयों के सम्बन्धित विषयों के अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा आन्तरिक परीक्षक रूप में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को पचास प्रतिशत अंक प्रदान किये जायेंगे, शेष पचास प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षक द्वारा देय हों।